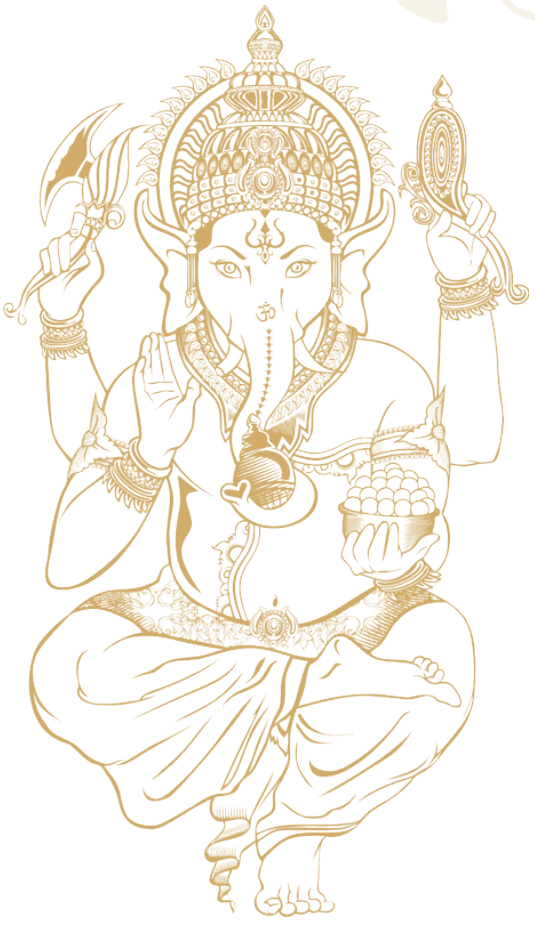

Mr.Nisat

Ms.Aditi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119779203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/02/1994	जन्म तिथि	23/09/1998
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:20:00	जन्म समय	15:52:00 घंटे
घटी 30:26:57	जन्म समय(घटी)	24:15:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:09:13	सूर्योदय	06:09:52
18:00:44	सूर्यास्त	18:16:54
23:46:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:12

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 13वर्ष 9मा 22दि		07:32:12	सिंह	लग्न	मक	18:52:06	मंगल 0वर्ष 3मा 4दि	
शनि		19:42:47	मक	सूर्य	कन्या	06:21:25	गुरु	
26/11/2023		09:46:08	तुला	चंद्र	तुला	06:09:59	28/12/2016	
26/11/2042		10:25:50	मक	मंगल	कर्क	27:28:10	28/12/2032	
शनि	29/11/2026	07:42:07	कुंभ	बुध	कन्या	04:20:48	गुरु	15/02/2019
बुध	08/08/2029	19:50:23	तुला	गुरु व	कुंभ	28:15:04	शनि	28/08/2021
केतु	17/09/2030	23:40:03	मक	शुक्र	सिंह	26:46:41	बुध	04/12/2023
शुक्र	16/11/2033	06:45:30	कुंभ	शनि व	मेष	08:32:58	केतु	09/11/2024
सूर्य	29/10/2034	06:10:17	वृश्चि व	राहु व	सिंह	07:21:37	शुक्र	11/07/2027
चन्द्र	30/05/2036	06:10:17	वृष व	केतु व	कुंभ	07:21:37	सूर्य	28/04/2028
मंगल	09/07/2037	29:42:36	धनु	हर्ष व	मक	15:14:11	चन्द्र	28/08/2029
राहु	15/05/2040	27:54:00	धनु	नेप व	मक	05:38:14	मंगल	04/08/2030
गुरु	26/11/2042	04:04:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:51:36	राहु	28/12/2032

लग्न-चलित

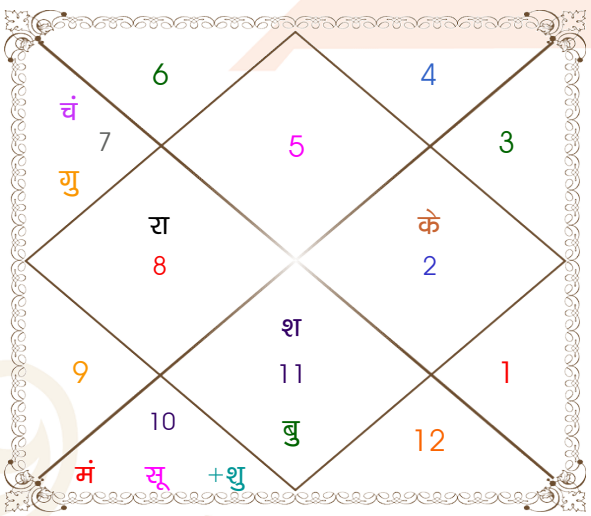

लग्न-चलित

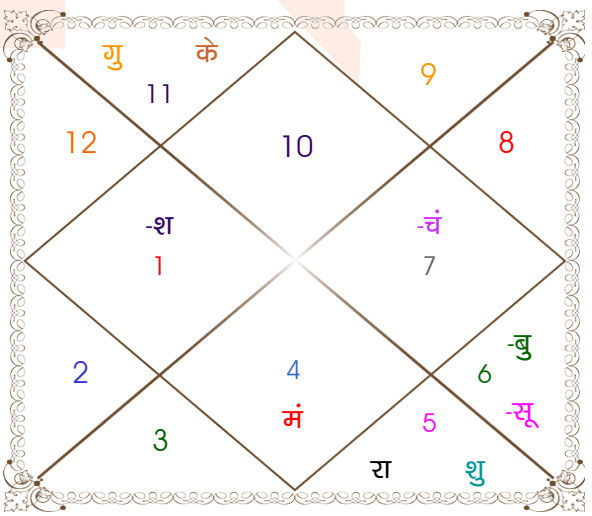

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण्छपेंज का वर्ग मृग है तथा डेण ।कपजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्छपेंज और डेण ।कपजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्छपेंज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण ।कपजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण ।कपजप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण ।कपजप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्छपेंज कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्छपेंज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्छपेंज तथा डेण ।कपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।